28 जुलाई 2017 को पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी में **"Science and Technology"** की प्रदर्शनी के कार्यक्रम में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। यह महज इत्तिफाक है कि कल ही हमने भारत के महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई हैं जिन्हें हम सभी प्रेम से मिसाइल मैन कहते हैं। उनके शब्दों में, Science is a beautiful gift to humanity. आखिरी क्षण तक वे अपने कर्मपथ पर तल्लीन रहे, उनका इस अवसर पर स्मरण, उनको मेरी ओर से श्रद्धांजलि है।
2. भारत में वैज्ञानिक चिन्तन एवं खोज की एक परम्परा रही है क्योंकि हमारे यहां सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान के साथ–साथ वैज्ञानिकता पर संस्कृति के प्रारंभ से ही विशेष ध्यान रहा है। यह भी सच है कि The science of today is the technology of tomorrow.
3. हमारे प्राचीन शास्त्रों एवं वेदों में उन्नत तकनीक के बारे में वर्णन मिलता है। जहां एक ओर उनमें पुष्पक विमान की चर्चा है वहीं मानव की व्यवस्थित जीवन शैली के बारे में भी बहुत कुछ लिखा

है। तभी तो तुलसी, बरगद और पीपल की पूजा घर–घर में होती है क्योंकि उनमें औषधीय गुण छिपे हैं। अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा उपलब्धियों के कारण हमारे देश ने सम्पूर्ण विश्व में वैज्ञानिक खोज के मामले में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

4. जहां गणित के क्षेत्र में आर्यभट्ट और रामानुजम, श्रीधर आचार्य एवं भास्कराचार्य का नाम बहुत ही प्रमुखता से लिया जाता है वहीं मेडिकल साइंस में चरक और सुश्रूत की उपलब्धियों से सभी परिचित हैं। आज फिर दुनिया भर में उस प्राचीन ज्ञान के अध्ययन और खोज के प्रयास हो रहे हैं।

5. आधुनिक युग में भी डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा, सी.वी.रमन, जगदीश चंद्र बोस, यू.आर.राव, विक्रम साराभाई जैसे प्रख्यात वैज्ञानिकों का नाम सम्पूर्ण विश्व में सदैव आदर से लिया जाता है। इन्होंने अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों से भारत का नाम विश्व में ऊंचा किया है।

6. हमारे संविधान में भी नागरिकों के scientific temper को बढ़ाने की बात की गई है। Article 51-A in our constitution talks about fundamental duties of every citizen to develop, scientific temper, humanism and spirit of enquiry and reform.

7. प्रथम पंचवर्षीय योजना के आरंभिक काल में वैज्ञानिक संस्थानों एवं शिक्षा एवं परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विज्ञान के विकास पर विशेष रूप से फोकस किया गया जिसके फलस्वरूप भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बीएआरसी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो), डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन(डीआरडीओ) जैसे संस्थानों की स्थापना हुई। ये संस्थान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

8. स्वतंत्रता के समय में भारत एक अनाज आयात करने वाला देश था और हमारे वैज्ञानिकों ने अपने कौशल से हरित क्रांति (Green Revolution) को सफल बनाया और आज हमारा देश अनाज उत्पादन के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर है बल्कि और कुछ उत्पादों के मामले में तो हम निर्यात भी करते हैं।

9. इसी प्रकार, आज भारत White Revolution के कारण दुनिया में दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद का सबसे बड़ा उत्पादक है। हरित क्रांति और श्वेत क्रांति, दोनों हमारे वैज्ञानिकों की बहुत बड़ी उपलब्धि है।

10. अब इसी प्रकार, माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी Aqua Culture एवं fisheries के क्षेत्र में Blue Revolution पर बल दे रहे हैं।

11. हमारे वैज्ञानिकों की उपलब्धि विशेषकर अंतरिक्ष विज्ञान, परमाणु विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय रही है। मंगलयान को गंतव्य स्थान मंगल पर भेजने में हमने एक ही प्रयास में सफलता पाई है।

चंद्रयान भी सफलतापूर्वक चंद्रमा पर भेजा गया है एवं वह सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। अभी हाल ही में हमने 104 उपग्रहों को एक ही प्रक्षेपण में भेजा है। इसी प्रकार, हमने हाल ही में एक साथ विभिन्न देशों के 31 उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने में सफलता पाई। साथ ही, इसरो द्वारा 23 जून को एक और उपग्रह का प्रक्षेपण किया गया जो भारत की ओर से अब तक का अंतरिक्ष में भेजा गया सबसे भारी उपग्रह है।

12. भारत हमेशा से परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग का हिमायती रहा है इस मसले पर भारत के रूख का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सदैव समर्थन किया गया है। हमने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

13. विज्ञान के क्षेत्र में और मेडिकल के क्षेत्र में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और हमारी चिकित्सा सेवा की दक्षता के कारण मेडिकल टूरिज्म का एक सेक्टर तेजी से विकसित हो रहा है। हमारे आई.टी. इंजीनियर, जो दुनिया में न केवल सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं, के साथ–साथ डॉक्टर्स की भी बहुत प्रतिष्ठा है। हम विश्व में जहां भी जाते हैं, तो हमारा सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। जब दुनिया के श्रेष्ठतम इंजीनियरों और डॉक्टरों में भारतीयों का नाम आता है।

14. लेकिन, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि आज भी भारत में रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट पर खर्च विकसित देशों की तुलना में कम

है। इस दिशा में हमें और तेजी से नीतिगत बदलाव एवं अन्य प्रक्रियात्मक सुधार करने होंगे। हमें अपने सरकारी संस्थानों एवं निजी क्षेत्रों को रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए और अधिक प्रोत्साहित करना होगा। यह सब नए Research और Innovations का ही परिणाम है जिससे फॉर्मा सेक्टर में दवाइयां (Generic Medicines), medical equipment, heart में लगने वाले stents एवं artificial limbs को बहुत कम खर्च पर जनता को उपलब्ध कराया जा रहा है। हमें और भी innovative तरीके से बेहतर मेडिकल सुविधाएं एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने पर बल देना चाहिए।

15. मेरा हमेशा से ही सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिकों से अनुरोध रहा है कि वे महिलाओं के लिए Women friendly tools की दिशा में और अधिक सकारात्मकता से कार्य करना चाहिए क्योंकि कृषि के क्षेत्र में आज भी पुरुषों की तुलना में स्त्रियां अधिक कार्य कर रही हैं। उन टूल्स के माध्यम से महिलाओं के कार्य में सहूलियत होने से उत्पादकता में वृद्धि होगी।

16. मेक इन इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया इस दिशा में हमारी सहायता कर सकते हैं।

17. मेरा मानना है कि विज्ञान की मंजिल तब ही पूरी होती है जब उससे व्यापक लोकहित की पूर्ति हो। वैज्ञानिक प्रगति के माध्यम से हमने कई बीमारियों जैसे पोलियो, प्लेग, क्षय तथा चेचक जैसी महामारियों का उन्मूलन कर दिया है जबकि मलेरिया जैसे महामारी पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया है। कैंसर, एड्स, हेपेटाइटिस और लीवर सिरोसिस जैसी घातक बीमारियों के उपचार की दिशा में निरंतर शोध कार्य चल रहे हैं। उपयुक्त एवं आवश्यक शोध कार्यों से ही मानवता के हितार्थ नवीन उपकरण/यंत्र ईजाद हो रहे हैं। कान से सुनने वाली मशीन अब डिजिटल हो गई है जबकि आंखों में परमानेंट लेंस लग जाता है।

18. ऐसे प्रदशर्नियों को देश के अन्य हिस्सों में ले जाना चाहिए क्योंकि इससे विज्ञान और वैज्ञानिक उपलब्धि के बारे में जन–जागृति बढ़ती है और लोगों में विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न होती है और उन्हें प्रेरणा भी मिलती है। इस कार्य में technology का भी उपयोग किया जा सकता है और Social Media के माध्यम से देश के Remote Areas में भी पहुंचाई जा सकती है। प्रदर्शनी का आयोजन एक अच्छी पहल है। ऐसी प्रदर्शनियों से सभी लाभान्वित होंगे और उन्हे वैज्ञानिक क्षेत्रों में होने वाले गतिविधियों की जानकारी मिलेगी।

19. दो सप्ताह तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में जिन नवीन प्रौद्योगिकियों के बारे में प्रदर्शित किया गया है, मुझे आशा है कि वे समय की कसौटी पर खरे सिद्ध होंगे। मैं सभी सांसदों से आग्रह करूंगी कि वे एक बार अवश्य इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर नवीन जानकारियों को आत्मसात करें।

धन्यवाद।

———